बुधवार
01 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

केला खाने से दूर हो सकती हैं कई तरह की बीमारियां

पृष्ठ 5

नुपुर सेनन ने तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा की प्रशंसा की

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 261
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
– पं. मोतीलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पौंधा में प्लाट खरीदने वाले अधिकारियों में हड़कंप

जिला प्रशासन ने कहा जांच कराएंगे

विशेष संवाददाता

देहरादून। विकास नगर पौंधा में अवैध रूप से जमीन कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने का खुलासा होने पर उत्तराखंड प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। जिस जमीन पर प्लाटिंग की गई है वह वैध या अवैध है इस मामले में अभी जिला प्रशासन भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहा है जिसके कारण वह दो दर्जन से अधिक पूर्व और वर्तमान अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित है कि कहीं उनके साथ कोई धोखाधड़ी तो नहीं हो गई है क्योंकि यहां उन्होंने या उनके सगे संबंधियों ने भी प्लॉट खरीद रखे हैं।

इस मामले को लेकर जिलाधिकारी दून सोनिका का कहना है कि 2022 में गढ़वाल कमिश्नर के आदेश पर इसकी जांच करा कर आख्या दी जा चुकी है वहीं वह यह भी कह रही है कि मामले की जांच कराई जाएगी? जिसके कारण स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। उल्लेखनीय है कि आरटीआई कार्यकर्ता विनेश नेगी द्वारा इस मामले का खुलासा

❑प्रॉपर्टी डीलर का दावा कुछ गलत नहीं किया

करते हुए इस जमीन को अवैध तरीके से कब्जाया गया बताया गया था। तथा जमीन गोल्डन फॉरेस्ट, वन विभाग और एससी-एसटी का होने व अवैध तरीके से बिना शासन-प्रशासन की अनुमति के डेढ़ सौ पेड़ों का कटान करने की बात कही गई थी। इस खबर के आम होते ही सूबे के शासन-प्रशासन में हड़कंप मच गया, क्योंकि इस प्लाटिंग में दो दर्जन के आसपास पूर्व व वर्तमान आईएएस-आईपीएस अधिकारियों और उनके सगे संबंधियों ने भी प्लॉट ले रखे हैं। जिससे यह भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि जिन अधिकारियों पर जमीनों की धोखाधड़ी रोकने की जिम्मेदारी है उन्होंने बिना जांच पड़ताल कैसे प्लाट खरीद लिए।

उधर आज इस जमीन के मालिक और प्लाटिंग करने वाले इंद्र सिंह बिष्ट भी अपने वकीलों के साथ पत्रकारों के बीच आए और विनेश नेगी के सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सभी आरोप निराधार हैं। उन्होंने सभी काम नियम व कानून संवत तरीके से किए हैं जिनके दस्तावेजों के साक्ष्य उनके पास मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह प्लाटिंग 300 नहीं 147 बीघा जमीन पर की गई है। साथ ही उन्होंने इसमें गोल्डन फॉरेस्ट या किसी एससी-एसटी के व्यक्ति की जमीन होने से भी इन्कार किया और पेड़ों के कटान के संबंध में कहा कि डेढ़ सौ नहीं 25-30 पेड़ जो प्लाटिंग में आ रहे थे, परमिशन लेने के बाद ही काटे गए हैं। उनके वकीलों ने भ्रामक खबर फैलाने और अपने मुवक्किल की छवि खराब करने की कोशिश करने के आरोप भी आरटीआई कार्यकर्ता पर लगाया व कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है।

शोरूम में हुई लाखों की चोरी का खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी के ट्रान्सपोर्ट नगर क्षेत्र के शोरूम में हुई लाखों रूपये की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को चोरी की गयी लाखों की नगदी, तिजोरी व अन्य सामान सहित चोरी में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के दो अन्य साथी फरार है जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 अक्टूबर को संजय अग्रवाल पुत्र स्व. चंदा राम निवासी बजरंग मोटर्स रामपुर रोड हल्द्वानी द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि 14 अक्टूबर की रात अज्ञात चोरों द्वारा उनके रामपुर रोड स्थित बजरंग मोटर्स शोरूम

❑दो फरार, लाखों की नगदी बरामद

में घुसकर आफिस का दरवाजा तोडकर तिजोरी चोरी कर ली गयी है। जिसमें लाखों की नगदी मौजूद थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों को अथक प्रयासों के बाद पता चला कि उक्त चोरी की वारदात मध्य प्रदेश के इन्दौर जिले के चोंरों द्वारा की गयी है। जिस पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए इन्दौर जिले के थाना तेजाजीनगर क्षेत्र से दो आरोपियों को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश भर में तेल मार्केटिंग कंपनी ने बुधवार को देश भर में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सिलेंडर के दामों में हुई यह बढ़त 101. 5 रुपये की है। इस बात का ऐलान तेल मार्केटिंग कंपनी (ओएमसी) ने बुधवार को कीमतों में संशोधन कर किया है। अब 1 नवंबर यानी आज से दिल्ली में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत अब 1731.5 रुपये से बढ़कर 1,833 रुपये हो जाएगी। चेन्नई में एलपीजी सिलेंडर के दाम 1,999 रुपए, मुंबई में 1,785 रुपए और कोलकाता में 1,943 रुपए कीमत पर मिलेगा। यह दूसरी बार है जब देश भर में कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़े हैं। अक्टूबर में यह बढ़ोतरी कमर्शियल सिलेंडर में 209 रुपए प्रति सिलेंडर की हुई थी। वहीं, अगस्त और सितंबर में 250 रुपए की दाम में कमी की गई थी। बता दें कि हर महीने के पहले दिन में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडरों के दाम में संशोधन होता है। वहीं, दूसरी तरफ घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अभी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 903 रुपए में मिल रहा है, जबकि कोलकाता में इसकी कीमत 929 रुपए है और मुंबई में 902.50 रुपए और चेन्नई में 918.50 रुपए है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में तैनात मेजर बर्खास्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के संपर्क में रहने के आरोप में भारतीय सेना के एक मेजर को सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के लिए बर्खास्त कर दिया है।

रक्षा सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी मेजर सेना की स्ट्रैटजिक फोर्सेज कमांड यूनिट में तैनात थे। सेना की जांच में मेजर को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खघ्तरा पैदा करने वाले कार्यों का दोषी पाया गया।

बर्खास्त मेजर कथित तौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटर के संपर्क में था। सूत्रों ने बताया कि मेजर पर लगे आरोपों की जांच के लिए मार्च 2022 में अधिकारियों का एक पैनल गठित किया गया थाा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जांच के दौरान पता चला कि मेजर के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में गुप्त दस्तावेजों की कॉपी थी, जो सेना के नियमों के खिलाफ है। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेजर की दोस्ती की भी जांच की गई और कहा जा रहा है कि पटियाला पेग नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप के कुछ सदस्य भी इस जांच के दायरे में हैं। सेना ने सोशल मीडिया नीतियों का उल्लंघन करने और व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य होने के लिए एक ब्रिगेडियर और एक लेफ्टिनेंट कर्नल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

इस व्हाट्सएप ग्रुप पर आपत्तिजनक सामग्री शेयर की जा रही थी। सेना अपने चार अधिकारियों के पटियाला पेग व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य होने की जांच कर रही है। यह संदेह है कि व्हाट्सएप ग्रुप में पाकिस्तान इंटेलिजेंस के संचालक भी सदस्य हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

मुकाम व मंजिल से आगे का सच

यह एक मनोवैज्ञानिक सच है कि आपकी सोच जितनी ज्यादा बड़ी होगी और आप जितने बड़े-बड़े सपने देखेंगे आप उतना ही आगे और आगे बढ़ते चले जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जो बात कह रहे हैं उनकी इस बड़ी सोच या सपने की प्रशंसा की जानी चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हिंदुस्तान ने दो सौ साल लंबी गुलामी से मुक्ति के बाद आजादी के 75 सालों में तमाम क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। आज अगर भारत का विश्व भर में डंका बज रहा है तो यह विकास और श्रेष्ठता उसे उपहार में नहीं मिली है। देश के लोगों ने इन 75 सालों में हाड़ तोड़ मेहनत की है और रात दिन खून पसीना बहाया है। मोदी आज अगर देश की अर्थव्यवस्था को विश्व के तीसरे नंबर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताने और जल्द ही नंबर वन होने की बात कर रहे हैं तो उन्हें यह भी याद रखने की जरूरत है कि भले ही हमने कितनी भी उपलब्धियां हासिल कर ली हो लेकिन अभी बहुत कुछ ऐसा है जो हम 75 सालों में नहीं कर सके हैं। इस देश की आबादी का आधा हिस्सा आज भी जब देश अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है निर्धनता और भुखमरी की मार झेल रहा है। जिन बच्चों को स्कूल में होना चाहिए था वह या तो सड़कों पर कूड़ा बिन रहे हैं या फिर बाल मजदूरी कर रहे हैं। भले ही सरकार अपनी स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी का ढोल पीट रही हो, आज भी करोड़ों लोग बीमारी से मर जाते हैं और उन्हें न दवा मिल पाती है न उचित इलाज। जिस कृषि क्षेत्र को देश की जीडीपी की रीड माना जाता था आज उस कृषि, किसान और मजदूर तथा गांवों की क्या स्थिति है? इसे सत्ता में बैठे लोग या तो समझना ही नहीं चाहते या जानते समझते हुए भी अंजान बने रहने में ही अपनी भलाई समझते हैं। देश की आय दोगुना करने का दावा करने वाले नेताओं के पास क्या इन सवालों का जवाब है कि 75 साल की आजादी के बाद भी इस देश का किसान आर्थिक तंगी की स्थिति में आत्महत्या करने पर क्यों विवश है? क्यों किसान अपनी खेती की जमीनों को बेचकर शहरों में मजदूरी करने को कृषि से अधिक बेहतर विकल्प मान रहा है। आजादी के 75 साल बाद भी देश का युवा क्यों रोजगार की तलाश में भटक रहा है और डिग्री लेने के बाद 10-15 हजार की प्राइवेट नौकरी करने पर विवश है। देश में क्यों आजादी के 75 साल बाद भी रेवड़ियां बांटने की राजनीति नेताओं व राजनीतिक दलों की मजबूरी बना हुआ है। अगर 75 सालों में देश से भ्रष्टाचार को मिटाने की एक भी ईमानदाराना कोशिश की गई होती तो आज देश के लिए न गरीबी कोई गंभीर समस्या होती न बेरोजगारी। आजादी के 75 साल बाद भी देश की आधी आबादी जो सत्ता की मेहरबानियों पर ही जीवन यापन कर रही है और सत्ता में बैठे लोग इस बात को बताते हुए गर्व कर रहे हैं कि हमारी सरकार इतने करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है उनके लिए यह गर्व की बात नहीं अपितु शर्म की बात रही होती तो शायद आज देश की यह आधी आबादी भिखारी भी नहीं होती। जिस देश की आधी अवाम को अपना पेट भरने व इलाज करने या पढ़ने के लिए सरकार के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा हो उस देश ने भले ही कितने भी मुकाम हासिल कर लिए हो और उसके नेता भले ही किसी भी मंजिल को पाने का दावा करें लेकिन उनके दावे अविश्वसनीय हैं। रही देश के विकास की बात तो इस देश ने 75 सालों में बहुत कुछ कर लिया और आने वाले समय में वह सब कुछ जरूर कर लेगा जो उसकी जरूरत होगी। लेकिन सच से मुंह मोड़कर समस्याओं का समाधान नहीं किया जा सकता है।

मुनस्यारी के है, प्रथम महावीर चक्र विजेता

कार्यालय संवाददाता

नाचनी (पिथौरागढ़)। प्रथम महावीर चक्र विजेता सिपाही शहीद दीवान सिंह दानू ने देश की आजादी के बाद पाकिस्तान के साथ हुए प्रथम युद्ध में 3 नवंबर 1947 को जम्मू कश्मीर में अपनी शहादत दी। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने हस्तलिखित पत्र शहीद के पिता को भेज कर बताया कि संपूर्ण राष्ट्र उनका कृतज्ञ है। शहीद दीवान सिंह की शहादत की पूर्व संध्या पर आज उन्हें पहली बार उनका क्षेत्र याद कर रहा है।

विकास खंड मुनस्यारी के ग्राम पंचायत गिन्नी के पुरदम तोक निवासी उदय सिंह दानू तथा श्रीमती रमुली देवी के पुत्र दीवान सिंह दानू का जन्म 4 मार्च 1923 को हुआ। दीवान सिंह 4 मार्च 1943 को 20 वर्ष की उम्र में भारतीय सेना में भर्ती हो गए। 1 जून 1946 को उनकी पहली पोस्टिंग चार कुमाऊं रेजीमेंट में हुई। 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ। आजादी के बाद पाकिस्तान के साथ हुए प्रथम युद्ध में सिपाही दीवान सिंह कश्मीर के बडगाम में शहीद हो गए।

इतिहास बताता है कि सिपाही दीवान सिंह का प्लाटून जम्मू के बड़गांव में हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए तैनात था। उस समय दीवान सिंह कुमाऊँ रेजीमेंट के डी कंपनी के ब्रेन गनर के रूप में तैनात थे। पाकिस्तान की सेना ने कबालियों के वेशभूषा में हवाई अड्डे पर आक्रमण कर दिया। इनका कड़ा मुकाबला करते हुए ब्रेन गन से 15 से

❑20 वर्ष की उम्र में शहादत दी सिपाही दीवान सिंह ने

ज्यादा पाकिस्तानी कबालियों को सिपाही दीवान सिंह ने मौत के घाट उतार दिया। आक्रमणकारियों की नजर जांबाज सिपाही पर पड़ी।

3 नवंबर 1947 को सिपाही दीवान सिंह अपने देश के आन, शान और बान के लिए शहीद हो गए। पाकिस्तान के साथ हुए इस युद्ध में दीवान सिंह को दुश्मनों की गोली लग गई थी।

जम्मू कश्मीर हवाई अड्डे की सुरक्षा को भारत माता की सुरक्षा मानते हुए सिपाही दीवान सिंह ने 20 वर्ष की उम्र में वह कर दिखाया जो आज तक कोई नहीं कर पाया। कुमाऊं रेजीमेंट के इतिहास पुस्तक में भी दीवान सिंह के अदम्य साहस को सुनहरे अक्षरों में स्थान दिया गया है। इस पुस्तक में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि जब शहीद दीवान सिंह का पार्थिव शरीर प्राप्त हुआ तो, उनके हाथ में उनका ब्रेन गन जकड़ा हुआ था। जम्मू कश्मीर हवाई अड्डे पर पाकिस्तानी सेना के हमले को रोकने के लिए मेजर सोमनाथ को परमवीर चक्र तथा सिपाही दीवान सिंह को मरणोपरांत प्रथम महावीर चक्र से विभूषित किया गया।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने शहीद दीवान सिंह के पिता उदय सिंह को हस्तलिखित पत्र भेजकर उसकी वीर गाथा को सम्मान दिया। कुमाऊँ रेजीमेंट के सेंटर रानीखेत में प्रथम महावीर चक्र विजेता दीवान सिंह के नाम पर ष्दीवान हालष बनाया गया है। उत्तराखंड सरकार ने राजकीय इंटर कॉलेज बिर्थी तथा शहीद के गांव पुरदम तक जाने वाले मोटर मार्ग का नामकरण शहीद दीवान सिंह दानू के नाम पर रखकर उनके शहादत को सम्मान दिया है।

> “जिला पंचायत सदस्य तथा कार्यक्रम संयोजक जगत मर्तोलिया ने बताया कि हमारी आने वाली पीढ़ियां प्रथम महावीर चक्र विजेता शहीद दीवान सिंह के बारे में जानकारी रखें और उनके द्वारा की गई कार्यों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े। इसके लिए विकास खंड मुनस्यारी में इस क्षेत्र के महापुरुषों की जयंती तथा शहादत दिवस मनाने की परंपरा पहली बार शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस परंपरा को हमेशा जीवित रखा जाएगा। शहीद दीवान सिंह के शहादत की पूर्व संध्या पर 2 नवंबर को राजकीय इंटर कॉलेज बिर्थी में शहादत दिवस का कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया जा रहा है।”

घर में घुसकर मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर निवासी दिलजहां ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गांव का ही सालिम अपने अन्य साथी के साथ उसके घर में घुस आया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा उसने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एससी/एसटी सम्मेलन भाजपा का ढोंग से अधिक कुछ नहीः गरिमा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसोनी ने कहा कि भाजपा का एससी एसटी सम्मेलन मात्र ढोंग से अधिक कुछ नहीं है।

आज यहां उत्तराखंड भाजपा द्वारा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आने वाले दिनों में विभिन्न स्तर पर एससी एसटी सम्मेलन आयोजित किए जाने को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कटाक्ष किया है। दसौनी ने कहा जब अल्मोड़ा जिले के सल्ट में अंतर्जातीय विवाह करने की वजह से दलित समाज के जगदीश की 27 हड्डियां तोड़कर और सर हथौड़े से मार कर हत्या की जा रही थी उस वक्त सरकार और संगठन दोनों मौन क्यों थे। दसौनी ने कहा कि उत्तराखंड भाजपा संगठन उस वक्त भी चुप्पी साध रहा जब उत्तरकाशी के मोरी जिले में 19 वर्षीय दलित समुदाय के आयुष को रात भर कोयले से मात्र इसलिए जलाया गया कि उसने दलित समाज में जन्म लेने के बावजूद एक मंदिर में प्रवेश कर दिया था।

आ यो विश्वानि वार्या वसूनि हस्तयोर्दधे।
मदेषु सर्वधा असिघ
(ऋग्वेद ९-१८-४)

परमात्मा ही दिव्य आनंद को धारण करने वाला है। वही इसको वितरित करने वाला है। वह ही सत्य धन को अच्छे मनुष्यों के हाथ में देता है।

सड़क दुर्घटना में पुलिस का सहयोग करने वाले 9 व्यक्तियों को किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटना में घायलों को बचाने में आगे बढ़कर कार्य करने तथा पुलिस का सहयोग करने वाले नौ लोगों को पुलिस द्वारा नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार की 'गुड समेरिटन' स्कीम के अन्तर्गत सड़क दुर्घटना या किसी भी प्रकार की दुर्घटना में घायल व पीड़ित व्यक्तियों की मदद करने वाले व्यक्तियों को पुलिस द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। इस क्रम में बीती 21 सितम्बर को पाबौ चौकी क्षेत्रान्तर्गत एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर नदी में गिर गया थी जिसमें 5 व्यक्ति देवेन्द्र गुंसाई, अमनदीप रावत, प्रशांत, सौरभ, हिमांशु शाह सवार थे। जिनकी दुर्घटना के पश्चात मुत्यु हो गयी थी। मृतक व्यक्तियों की एक्सीडेन्ट क्षेत्र में पुलिस टीम के साथ मदद करने वाले स्थानीय निवासी हरेन्द्र सिंह पुत्र मंगल लाल, ओम प्रकाश पुत्र रणी लाल, प्रदीप कण्डारी पुत्र स्व. स्वरूप सिंह,

कर्मवीर भण्डारी पुत्र रघुनाथ भण्डारी, दीपक रावत पुत्र चंद सिंह, मनोज रावत पुत्र मदन सिंह तथा भरत रावत पुत्र मनवर सिंह रावत द्वारा उक्त 5 मृतक व्यक्तियों को बचाने में पुलिस टीम के साथ बड़ी मेहनत से एक्सीडेन्ट क्षेत्र में काफी मदद की गयी। जिनकों बचाया नहीं जा पाया, जिनके शवों को निकालने में उक्त स्थानीय व्यक्तियों के द्वारा 'गुड समेरिटन' की भूमिका निभाई गई।

साथ ही बीती 8 अगस्त को थाना लैन्सडाउन क्षेत्रान्तर्गत एक वाहन गहरी खाई में गिर गया था। वाहन के गिरने की सूचना पर तत्काल स्थानीय निवासी मनोज बिष्ट पुत्र स्व. केशव सिंह बिष्ट, भारत सिंह रावत पुत्र स्व. चतर सिंह रावत द्वारा शवों को अथक परिश्रम करते हुये रेस्क्यू कर गहरी खाई से निकालने में स्थानीय पुलिस का सहयोग कर 'गुड समेरिटन' की भूमिका निभाई गई। जिसके क्रम में बीते रोज राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा उक्त 9 व्यक्तियों को 'गुड समेरिटन' का प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।

भारी मात्रा में स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने भारी मात्रा में स्मैक के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने एयरपोर्ट तिराहे के पास एक वैगनआर कार को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर रोक लिया और कार में सवार तीन लोगों को हिरासत में ले उनकी तलाशी ली तो तीनों के कब्जे से पुलिस ने 28 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पवन गुप्ता पुत्र सतीश चंद्र निवासी नई दिल्ली, ऋषि गुप्ता पुत्र रामजी लाल गुप्ता निवासी मण्डावली काजलपुर उत्तर प्रदेश, जोसेफ पुत्र पीटर निवासी ग्राम तिलोत उत्तरकाशी बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

लोहे के पटटे चोरी करते एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। लोहे के पटटे चोरी करते हुए एक युवक को पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिफेंस कालोनी जीवनगढ निवासी संजय तोमर ने विकासनगर कोतवाली में सूचना दी कि आज सुबह एक युवक उसके घर से लोहे के तीन पटटे चोरी कर भाग रहा था जिसको उसने मौहल्ले वालों की मदद से पकड लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम उस्मान पुत्र नसीर अहमद निवासी जीवनगढ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल्हान राजपुर निवासी पवन थापा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से सहस्त्रधारा रोड पर आया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल स्मार्ट प्वाइंट की पार्किंग में खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हर लड़की और लड़के की पहली पसंद जींस

कंफर्टेबल और स्टाइलिश डिजाइन के कपड़ों को अपना साथी बनाना फैशन की नहीं पर आपकी मांग जरूर बन सकती है। अक्सर पहनने में कंफर्टेबल और लुक में कूल होने के कारण जींस हर लड़की और लड़के की पहली पसंद होती है। इसे आप टी-शर्ट से लेकर शर्ट, टॉप यहां तक की कुर्ती के साथ भी आसानी से टीमअप कर सकते हैं। वैसे तो जीन्स हर किसी की वार्डरोब में आसानी से मिल जाती है, लेकिन अगर आप अपने वार्डरोब को और भी अधिक स्टाइलिश बनाना चाहते हैं तो इन जीन्स को अपने वार्डरोब का हिस्सा बनाएं। तो चलिए जानते हैं लेटेस्ट जीन्स स्टाइल के बारे में.... आपको जीन्स पसंद है लेकिन आप उसे स्टाइलिश और ग्लैमरस तरीके से पहनना पसंद करती हैं। तो डेनिम ऑन डेनिम का फैशन आपके लिए परफेक्ट है। यह डेनिम का सबसे नया और जबरदस्त डिजाइन है। इस जींस में कई शेड्स होते हैं। अगर आप अपने लुक को एक्सपेरिमेंटल बनाना चाहती हैं तो यह जींस आपके लिए ही है। क्रॉप्ड जींस अपने आप में ही बहुत क्लासी और कूल जींस होती है। इस जींस की खासियत यह है कि हर उम्र की महिला पर यह जींस फबती है। इस जींस की लेंथ आपके एंकल तक नहीं होती, बल्कि यह घुटनों से नीचे और एंकल से थोड़ा उपर होती है। अपनी लेंथ के कारण ही यह एक कूल लुक देती है। यह जींस सिंपल होने के बावजूद भी काफी स्टाइलिश लगती हैं। इस तरह की जींस वैसे तो सिंपल होती हैं, लेकिन जींस के हेम को स्टाइलिश बनाया जाता है। जींस के एंड पर बो लुक, कट्स या फेदर आदि का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके कारण पूरी जींस का ही लुक बदल जाता है। हाई वेस्ट जींस कभी भी टेंड से आउट नहीं होती और अगर आप इस जींस में इनवेस्ट करती हैं तो आपको कभी भी निराश नहीं होना पड़ेगा। इस तरह की जींस हर तरह के बॉडी टाइप व शेप पर जंचती है। आप इस जींस को और भी अधिक टेंडी बनाने के लिए प्लेन हाई वेस्ट जींस खरीदने के स्थान पर पैचवर्क, स्टड्स, क्रॉप्स या प्रिंटेड हाई वेस्ट जींस खरीदें।

शहीदे आजम से भी कम उम्र में शहीद हुए थे त्रिलोक सिंह पांगती!

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। 1857 की क्रांति की अलख जगाते हुए 22 वर्ष, एक माह, 25 वें दिन स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में इंकलाब का नारा लगाते हुए त्रिलोक सिंह पांगती ने अपनी शहादत दे दी। शहीदे आजम भगत सिंह से भी कम उम्र में शहादत देने वाले त्रिलोक भारत की चुनिंदा शहीदों में एक है। यह अलग बात है कि शहीद त्रिलोक सिंह पर शहीदे आजम भगत सिंह की क्रांतिकारी आंदोलन के प्रभाव का कोई पुष्ट प्रमाण इतिहास में दर्ज नहीं है। शहीद त्रिलोक सिंह ने गांधी आश्रम चनौदा में जिस क्रांतिकारी तेवरों के साथ अंग्रेजों का मुकाबला निहत्थे हाथों से अकेले किया,वह शहीदे आजम तथा गांधी के अंहिसा आंदोलन का एक बेजोड़ पल था।

आज एक नवंबर को इस शहीद का जन्म दिवस है। त्रिलोक सिंह पांगती पिथौरागढ़ जनपद के एकमात्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है, जो आजादी के संघर्ष में शहीद हो गई थे।

शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्रिलोक सिंह पांगती का जन्म एक नवंबर 1920 को ग्राम पंचायत दरकोट में मानसिंह पांगती के घर में हुआ। शहीद की माता का नाम श्रीमती देवी था। त्रिलोक सिंह ने प्राथमिक शिक्षा मीलम गांव में पूर्ण करने के बाद बागेश्वर जनपद के कांडा के मिडिल स्कूल में प्रवेश लिया। सन 1935 में मिडिल की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद त्रिलोक सिंह ने अध्यापन कार्य को उचित माना।

सन 1936 से 1938 तक सीमांत मुनस्यारी के ग्राम लास्पा के प्राथमिक विद्यालय में अध्यापन कार्य किया। अध्यापन कार्य छोड़ने के बाद स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर ग्राम संयोजक के रूप में फरवरी से सितंबर 1939 तक कार्य किया। गांधी जी की विचारधारा से और अधिक प्रभावित होकर चीन सीमा से लगे मुनस्यारी तथा धारचूला क्षेत्र में घर-घर जाकर स्वतंत्रता आंदोलन के

❑गांधी और भगत सिंह की विचारधारा का प्रतीक
❑चनौदा में अचेत होने तक नहीं झुकने दिया था तिरंगा

प्रचार प्रचार का झंडा थामा।

अक्टूबर 1939 में त्रिलोक सिंह पांगती गांधी आश्रम चनौदा अल्मोड़ा में वैतनिक कार्यकर्ता नियुक्त हुए। अल्मोड़ा के गांव-गांव तथा घर- घर जाकर स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों से जनता को जागृत करने का कार्य किया।

सन 1942 को त्रिलोक सिंह का स्थानांतरण बागेश्वर के लिए कर दिया गया। सन 1942 में सत्याग्रह तथा भारत छोड़ो आंदोलन ने गति पकड़ ली थी। इस समय त्रिलोक सिंह को पुनः गांधी आश्रम चनौदा की सेवा में तैनात कर दिया गया। ब्रिटिश हुकूमत को मालूम था कि गांधी आश्रम चनौदा भारत छोड़ो आंदोलन का केंद्र बन गया है। इसे कुचलने के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी नीति अपनाई। 8 अगस्त 1942 को अंग्रेजों ने चनौदा आश्रम को चारों तरफ से घेर लिया। गौरे सिपाहियों ने तिरंगा झंडा जो आश्रम के बाहर फहराया गया था उसे निकालने के लिए धावा बोल दिया। बचपन से ही आजादी के इस दीवाने से नहीं रहा गया, उसने गौरे हथियार बंद सिपाहियों को धक्का देकर तिरंगा झंडे को थाम लिया। इस नौजवान के इस हौसले को देखते हुए दमनकारी गौरे सैनिकों ने त्रिलोक सिंह के ऊपर लाठी, डण्डो, बंदूकों के बटो से तीखा प्रहार किया।

लहूलुहान होने के बाद भी त्रिलोक सिंह ने तिरंगा झंडा को झुकना नहीं दिया। वह वंदे मातरम और इंकलाब का नारा लगाते हुए तिरंगा झंडे को थामे रहा।

अंग्रेज सिपाहियों की दर्दनाक पिटाई के चलते जब आजादी का यह जांबाज अचेत हो गया तब उसके हाथों से तिरंगे की डोर छूटी। अंग्रेजों ने त्रिलोक सिंह पांगती सहित आश्रम के अन्य साथियों को गिरफ्तार कर 9 अगस्त 1942 को अल्मोड़ा जेल में बंद कर दिया। जेल में घायल त्रिलोक सिंह का स्वास्थ्य बेहद खराब हो गया। उन्हें 10 अक्टूबर 1942 को अल्मोड़ा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। 11 अक्टूबर 1942 को उन्हें जेल से भी मुक्त कर दिया गया था। जीवन के अंतिम क्षणों में अल्मोड़ा अस्पताल में उनकी मुलाकात अपने परिवारजनों से भी हुई। शारीरिक दुर्बलता एवं अंग्रेजों के द्वारा किए गए अत्याचार के कारण इस महान सपूत ने 22 वर्ष एक माह 25 दिन की आयु में 26 दिसंबर 1942 को भारत माता के चरणों में अपने को समर्पित कर दिया।

26 दिसंबर को त्रिलोक सिंह की शहादत को शहादत दिवस के रूप में आज भी अल्मोड़ा के चनौदा आश्रम में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। पिथौरागढ़ जनपद ने आजादी के आंदोलन में सैकड़ो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को जन्म दिया है। इस सीमांत जनपद में त्रिलोक सिंह पांगती एकमात्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है, जो आजादी के संघर्ष में ही शहीद हो गए थे।

भाजपा का 2022 चुनावी घोषणा पत्र मात्र चुनावी स्टंट थाः दसौनी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा का 2022 चुनावी घोषणा पत्र मात्र चुनावी स्टंट था या प्रदेश की भोली भाली जनता को ठगने का शिगूफा मात्र।

मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से यह बात आज उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि 2022 में उत्तराखंड की जनता से भाजपा ने अपने घोषणा पत्र (दृष्टि पत्र) के जरिए बहुत सारे वायदे किए थे लेकिन 2 साल बीत जाने के बाद भी भाजपा 56 पृष्ठों के घोषणा पत्र की एक चौथाई घोषणाएं भी पूरी नहीं कर पाई है। कहा कि चाहे लोकायुक्त हो या महिलाओं ,युवाओं और किसानों से किए गए वायदे भाजपा कहीं भी अपनी बातों पर खरी नहीं उतरी है। ऐसे में 23 हारी हुई विधानसभाओं में भाजपा के सांसद आखिर जनता के सामने क्या रिपोर्ट कार्ड लेकर जाएंगे? दसौनी ने कहा कि अव्वल तो भाजपा यह बताएं कि बाकी बची 47 विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ पक्षपात पूर्ण रवैया क्यों अपनाया जा रहा है? क्योंकि भाजपा कुशासन का जो दंश महंगाई-बेरोजगारी के रूप में 23 विधानसभाएं झेल रही हैं वही 47 का भी हाल है। भाजपा बताएं कि आखिर उनके जीते हुए विधायकों ने अपने क्षेत्र की कितनी समस्याओं का निस्तारण किया और घोषणा पत्र को कितना अमली जामा पहनाने में वह सफल रहे हैं? ऐसे में जनता आज भाजपा के झूठ को पहचान चुकी है और यह जान चुकी है कि भाजपा का भाषण ही उसका शासन होता है। दसौनी ने कहा कि चुनावी बेला में लच्छेदार भाषा में भाजपा के दिग्गज नेता जनता के साथ बड़े-बड़े वायदे करते हैं और सत्ता प्राप्ति के बाद उसी जनता को दुश्वारियां झेलने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। कहा कि आज प्रदेश भर में जनता सड़क के गड्ढों से परेशान है, वहीं महिला उत्पीड़न में राज्य अग्रणी स्थान ले चुका है, लगातार राज्य में कानून का राज समाप्त होता दिखाई पड़ रहा है, भू माफिया खनन माफिया और शराब माफिया राज्य पर हावी होते हुए दिखाई दे रहे हैं। भाजपा विधायकों के क्षेत्र में व्यवस्थाएं जर्जर अवस्था में है सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सब पटरी से उतर चुकी है। रोजगार का कहीं अता पता नहीं है। ऐसे में भाजपा बताएं कि उनके सांसदों को उत्तराखंड की जनता हाथों-हाथ क्यों ले?

उत्तराखंड में आई तमाम चुनौतियों के बाद भी जीते हुए भाजपा के पांचो सांसद गुमशुदा रहे और न ही उन्होंने अग्निवीर जैसी आत्मघाती योजना को दिल्ली में मुखरता से विरोध करने का काम किया। ऐसे में उत्तराखंड की जनता आगामी लोकसभा और निकाय चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है।

सोशल मीडिया से...!

● कोलेस्ट्रोल की बढ़ी हुई स्थिति में इन्सुलिन खून में नहीं जा पाता है। ब्लड शुगर का सम्बन्ध ग्लूकोस के साथ नहीं अपितु कोलेस्ट्रोल के साथ है।
● मिर्गी दौरे में अमोनिया या चूने की गंध सूँघानी चाहिए।
● सिरदर्द में एक चुटकी नौसादर व अदरक का रस रोगी को सुंघायें।
● भोजन के पहले मीठा खाने से बाद में खट्टा खाने से शुगर नहीं होता है।
● भोजन के आधे घंटे पहले सलाद खाएं उसके बाद भोजन करें।
● अवसाद में आयरन , कैल्शियम , फास्फोरस की कमी हो जाती है । फास्फोरस गुड और अमरुद में अधिक है।
● पीले केले में आयरन कम और कैल्शियम अधिक होता है । हरे केले में कैल्शियम थोडा कम लेकिन फास्फोरस ज्यादा होता है तथा लाल केले में कैल्शियम कम आयरन ज्यादा होता है । हर हरी चीज में भरपूर फास्फोरस होती है, वही हरी चीज पकने के बाद पीली हो जाती है जिसमे कैल्शियम अधिक होता है।
● छोटे केले में बड़े केले से ज्यादा कैल्शियम होता है।
● रसौली की गलाने वाली सारी दवाएँ चूने से बनती हैं।
● हेपेटाइट्स । से म तक के लिए चूना बेहतर है ।
● एंटी टिटनेस के लिए हाईपेरियम 200 की दो-दो बूंद 10-10 मिनट पर तीन बार दे।
● ऐसी चोट जिसमे खून जम गया हो उसके लिए नैट्रमसल्फ दो-दो बूंद 10-10 मिनट पर तीन बार दें । बच्चो को एक बूंद पानी में डालकर दें।
● मोटे लोगों में कैल्शियम की कमी होती है अत: त्रिफला दें । त्रिकूट (सोंठ+कालीमिर्च+ मघा पीपली) भी दे सकते हैं ।
● अस्थमा में नारियल दें। नारियल फल होते हुए भी क्षारीय है। दालचीनी + गुड + नारियल दें ।
● चूना बालों को मजबूत करता है तथा आँखों की रोशनी बढाता है ।
● दूध का सर्फेसटेंसेज कम होने से त्वचा का कचरा बाहर निकाल देता है।
● गाय की घी सबसे अधिक पित्तनाशक फिर कफ व वायुनाशक है ।
● जिस भोजन में सूर्य का प्रकाश व हवा का स्पर्श ना हो उसे नहीं खाना चाहिए।
● गौ-मूत्र अर्क आँखों में ना डालें।
● गाय के दूध में घी मिलाकर देने से कफ की संभावना कम होती है लेकिन चीनी मिलाकर देने से कफ बढ़ता है।
● रात में आलू खाने से वजन बढ़ता है ।
● भोजन के बाद बज्रासन में बैठने से वात नियंत्रित होता है।
● भोजन के बाद कंघी करें कंघी करते समय आपके बालों में कंघी के दांत चुभने चाहिए । बाल जल्द सफेद नहीं होगा ।
● अजवाईन अपान वायु को बढ़ा देता है जिससे पेट की समस्यायें कम होती है
● अगर पेट में मल बंध गया है तो अदरक का रस या सोंठ का प्रयोग करें
● कब्ज होने की अवस्था में सुबह पानी पीकर कुछ देर एडियों के बल चलना चाहिए ।
● रास्ता चलने, श्रम कार्य के बाद थकने पर या धातु गर्म होने पर दायीं करवट लेटना चाहिए ।
● जो दिन मे दायीं करवट लेता है तथा रात्रि में बायीं करवट लेता है उसे थकान व शारीरिक पीड़ा कम होती है ।
● बिना कैल्शियम की उपस्थिति के कोई भी विटामिन व पोषक तत्व पूर्ण कार्य नहीं करते है ।
● स्वस्थ्य व्यक्ति सिर्फ 5 मिनट शौच में लगाता है।
● भोजन करते समय डकार आपके भोजन को पूर्ण और हाजमे को संतुष्टि का संकेत है ।
● सुबह के नाश्ते में फल , दोपहर को दही व रात्रि को दूध का सेवन करना चाहिए ।
● रात्रि को कभी भी अधिक प्रोटीन वाली वस्तुयें नहीं खानी चाहिए । जैसे - दाल , पनीर , राजमा , लोबिया आदि ।
● शौच और भोजन के समय मुंह बंद रखें , भोजन के समय टी वी ना देखें।
● जो बीमारी जितनी देर से आती है , वह उतनी देर से जाती भी है ।
● जो बीमारी अंदर से आती है , उसका समाधान भी अंदर से ही होना चाहिए।
● एलोपैथी ने एक ही चीज दी है , दर्द से राहत । आज एलोपैथी की दवाओं के कारण ही लोगों की किडनी , लीवर , आतें , हृदय खघ्राब हो रहे हैं ।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

केला खाने से दूर हो सकती हैं कई तरह की बीमारियां

केला खाने से एक-दो नहीं बल्कि ८० तरह की बीमारियां दूर हो सकती है। यह काफी पौष्टिक और फायदेमंद फल है। इसे खाने से शरीर ताकतवर बनता है और कई तरह समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। हालांकि, कई बार यह खतरनाक भी हो सकता है और सेहत को नुकसान पहुंचाने लगता है। यही कारण है कि आयुर्वेद में कुछ लोगों को केला खाने से मना किया जाता है। आइए जानते हैं किन लोगों को केला भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

केला कितना फायदेमंद

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, केला सेहत का सच्चा दोस्त होता है। यह पौष्टिक तत्वों का खजाना होता है। इसमें विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन बी 6, एंटीऑक्सीडेंट ग्लूटाथियोन, फेनोलिक्स, डेल्फिडिनिन, रुटिन और नारिंगिन पाया जाता है, जो वात पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करते हैं। आयुर्वेद कहता है कि वात के बिगडने से करीब ८० तरह की बीमारियां हो सकती हैं। इसमें ड्राइनेस, हड्डियों में गैप, कब्ज जैसी कई समस्याएं हैं। इसलिए केला खाने से इन सभी से बचा जा सकता है।

केला किसके लिए फायदेमंद

वैसे तो केला हर किसी को फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, आयुर्वेद के अनुसार, केले की प्रकृति ठंडा होता है और यह पचने में हैवी होता है। केला लुब्रिकेशन का काम भी करता है। अगर किसी की बॉडी ड्राई रहती है या हमेशा थकान लगती है तो उसे केला खाना चाहिए। इसके अलावा अच्छी नींद न आने, गुस्सा आने, बहुत प्यास लगने, शरीर जलन होने पर केला खाना चाहिए।

केला से किसे करना चाहिए परहेज

आयुर्वेद के मुताबिक, केला कफ दोष को बढ़ा देता है। इसलिए जिनका कफ ज्यादा है, उन्हें केला गलती से भी नहीं खाना चाहिए। क्योंकि कफ के बढने से जठराग्नि कमजोर है तो यह उसे स्लो कर देगा। अगर किसी की चर्बी ज्यादा है, खांसी-जुकाम की समस्या है और कोई दमा का मरी है तो उसे केला नहीं खाना चाहिए।

अवनीत कौर हद से ज्यादा करती खुद को एक्सपोज!

22 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस फैंस के बीच आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक शेयर कर एक बार फिर से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी डैशिंग पर्सनेलिटी देख उनके चाहने वालों के होश उड़ गए हैं। टीवी से बॉलीवुड तक में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में अवनीत कौर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में एक बार फिर से अपनी हॉटनेस से फैंस दिलों में खलबली मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। अदाकारा अवनीत कौर ने अपने इस फोटोशूट के दौरान रेड कलर की फ्रंट कट थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लग रही थीं। हालांकि उनके चाहने वाले भी एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर उनके कातिलाना अदाओं के दीवाने हो गए थे। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। अवनीत कौर अपनी इन फोटोज में कैमरे में खुद को हद से ज्यादा एक्सपोज करते हुए एक से बढ?र एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए कहर ढा रही हैं। बता दें कि अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 32.8 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

शब्द सामर्थ्य -076

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

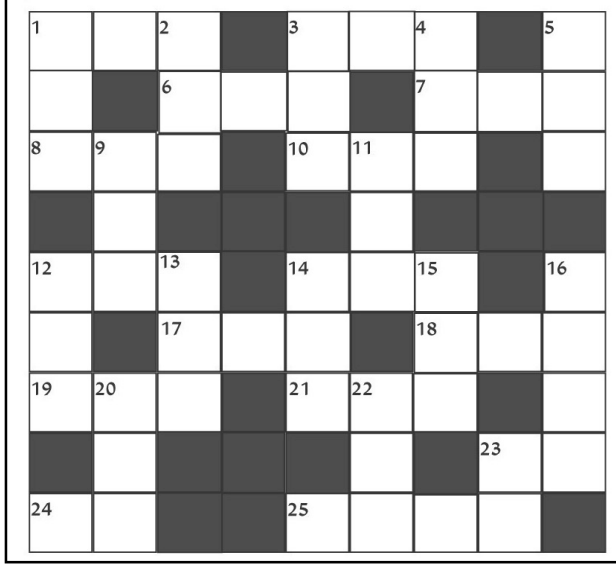

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

रवि चरण की रोमांचक पैन इंडिया फिल्म नवाब का फर्स्ट लुक जारी

प्रशंसित फिल्म निर्माता रवि चरण द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म नवाब, अपना दिलचस्प फर्स्ट लुक पोस्टर प्रस्तुत करती है। हरिहर क्रिएशन्स के प्रतिष्ठित बैनर के तहत निर्मित, नवाब एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है जो सीमाओं और भाषा से परे है।

नवाब का फर्स्ट लुक पोस्टर साज़िश और तीव्रता की दुनिया का खुलासा करता है। किरकिरा और कच्चा चित्रण एक रहस्यमय नायक को दर्शाता है, जिसे प्रतिभाशाली मुकेश गुप्ता ने चित्रित किया है, जो एक उजाड़ डंप यार्ड की पृष्ठभूमि के खिलाफ नकदी से भरे माहौल में डूबा हुआ है। मुख्य पात्र द्वारा अवज्ञा की आभा के साथ सिगार पीते हुए और खून के धब्बे जो अपनी खुद की एक कहानी बताते हैं, से रहस्यमय दृश्य और भी तीव्र हो जाता है। यह शुरुआती झलक निस्संदेह कुछ असाधारण बनने की ओर इशारा करती है। फिल्म निर्माताओं ने खुलासा किया है कि नवाब डंप यार्ड की दिलचस्प दुनिया में गहराई से उतरती है, एक एड्रेनालाईन-पंपिंग कहानी का वादा करती है जो दर्शकों को उनकी सीटों से बांधे रखती है। जहां एक्शन से भरपूर दृश्य फिल्म के केंद्र में हैं, वहीं नवाब रोमांचक तत्व और भावनात्मक दृश्य भी पेश करेगा जो निश्चित रूप से दर्शकों के दिलों को झकझोर देंगे।

नवाब का फिल्मांकन तेज गति से चल रहा है, पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जल्द ही शुरू होने वाला है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

निर्देशक रवि चरण, जो नल्लामाला में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित काम के लिए जाने जाते हैं, नवाब के शीर्ष पर हैं और यह फिल्म उनकी सिनेमाई यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होने का वादा करती है। प्रसिद्ध डांस मास्टर, प्रेम रक्षित मास्टर, जो ऑस्कर विजेता फिल्म आरआरआर में नाटू नाटू गाने को कोरियोग्राफ करने के लिए प्रसिद्ध हैं, नवाब के लिए कोरियोग्राफर के रूप में अपनी विशेषज्ञता दे रहे हैं। मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर शोभा रानी फिल्म का दृश्य सौंदर्य तैयार कर रही हैं। नवाब को अटूट महत्वाकांक्षा के साथ बनाया जा रहा है, इसके निर्माण के किसी भी पहलू पर कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज होकर पूरे भारत के दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है। अभिनीत- मुकेश गुप्ता, अनन्या नागल्ला, मुरली सेरमा, देवी प्रसाद, शिवपुत्रुडु रामाराजू, राहुलदेव, श्रवण राघवेंद्र, पायल मुखर्जी, स्नेहा गुप्ता, रवि पल्ली संध्यारानी, प्रिया, सरथ बरिगेला, सागर एनुगला, मल्लेदी रवि, अरुण कुमार, कृष्णेश्वर राव, टार्ज़न दुबिन्ह जानकी, मणि भम्मा, सम्मेता गांधी, मीका रामकृष्ण, पिंग पोंग सूर्या, जेमिनी सुरेश, दयानंद रेड्डी, पायल, संध्या, रवि, दीपक सूर्या, अप्पाजी और अन्य। (आरएनएस)

रवि तेजा की ईगल की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म ईगल, कार्तिक गट्टमनेनी द्वारा निर्देशित, आधिकारिक तौर पर 13 जनवरी, 2024 को संक्रांति 2024 रिलीज की पुष्टि की गई है। इसकी रिलीज की तारीख के बारे में अटकलें चल रही थीं, लेकिन निर्माताओं ने अब स्पष्टता प्रदान की है - आकर्षक पोस्टर.

पोस्टर में आग की लपटों से घिरा एक घर दिखाया गया है, जिसके पास रवि तेजा खड़े हैं, जो फिल्म के तीव्र एक्शन और थ्रिलर तत्वों की ओर इशारा कर रहे हैं। ईगल फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है।

कुछ महीने पहले रिलीज हुए फिल्म के टीजर को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर में अनुपमा परमेश्वरन ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म में काव्या थापर, नवदीप, श्रीनिवास अवसारला, मधुबाला और अन्य लोग भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं, जिसमें संगीत डेवज़ैंड ने दिया है।

लाल सलाम पोंगल 2024 पर भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है

सुपरस्टार रजनीकांत अपनी बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित लाल सलाम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐश्वर्या ने इससे पहले धनुष को फिल्म 3 में निर्देशित किया था। लाल सलाम में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में हैं, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान कपिल देव भी इस परियोजना का हिस्सा हैं।

एक रोमांचक घटनाक्रम में, निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म 2024 में पोंगल त्योहार के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और उन्होंने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए रजनीकांत और विष्णु विशाल की विशेषता वाला एक पोस्टर जारी किया है। लाल सलाम पर रजनीकांत का काम कुछ समय पहले पूरा हुआ था, और वह फिल्म में मुंबई के एक गैंगस्टर मोइदीन भाई की भूमिका निभा रहे हैं।

बताया गया है कि यह फिल्म क्रिकेट और साम्यवाद के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें तेलुगु अभिनेत्री जीविता राजशेखर और निरोशा ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। लाल सलाम का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है, जिसमें ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान संगीत संभाल रहे हैं। इस रोमांचक परियोजना पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें। (आरएनएस)

नुपुर सेनन ने तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा की प्रशंसा की

हालिया रिलीज टाइगर नागेश्वर राव से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस नुपुर सेनन ने अपने को-स्टार व तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा की प्रशंसा की है। एक्ट्रेस ने कहा है कि वह एक अद्भुत अभिनेता होने के साथ-साथ एक अद्भुत इंसान भी हैं।

टाइगर नागेश्वर राव के लिए निर्देशक वामसी ने नुपुर सेनन को फाइनल करने से पहले फिल्म में कास्ट करने के लिए 200-300 लड़कियों का ऑडिशन लिया था।

बता दें, नूपुर बॉलीवुड स्टार कृति सेनन की बहन हैं और उन्हें टाइगर नागेश्वर राव में शानदार काम के लिए काफी पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है।

रवि के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए नूपुर ने कहा, यह एक मैजिकल एक्सपीरियंस था। वह एक अद्भुत अभिनेता और बेहतर इंसान हैं।

मैंने उनको लेकर सोचा था कि वह सीरियस टाइप के इंसान होंगे और कम बातें कर होंगे, लेकिन मैं गलत थी।

पहले दिन से, वह मेरी सोच से बिल्कुल अपोजिट निकले। वह अपनी वैनिटी में कम ही रहते हैं, हमेशा सेट पर लोगों से बातचीत करते रहते हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, मैं यह देखकर हैरान थी कि उनकी हिंदी कितनी शानदार है। वह मुझसे हिंदी में बात करते थे। वह एक सिक्योर एक्टर हैं। वह मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं। वह विचारशील और दयालु इंसान हैं। वह चाहते थे कि मेरा परफॉर्मेंस अच्छा हो।

निर्देशक के बारे में बात करते हुए नूपुर ने कहा, जब वह मुझसे मिले तो उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि आप कैसे बात करते हैं और आपका आचरण कैसा है। मुझे तुरंत पता चल गया कि मैं अपनी सारा से मिल चुका हूं। मैं रोमांचित हूं कि मैं एक पैन-इंडिया फिल्म कर रही हूं। मैं न्यूकमर हूं, जिसकी फिल्म चार गुना अधिक लोगों तक पहुंचेगी, क्योंकि यह वाइडर रिलीज है।(आरएनएस)

संजना को धक धक का प्रचार न करने का मलाल!

अभिनेत्री संजना संघी हाल ही में फिल्म धक धक में नजर आई थीं, जिसे समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर यह दर्शकों को लुभाने में नाकाम रही।तरुण दुडेजा के निर्देशन में बनी यह एक एडवेंचर ड्रामा फिल्म है, जिसमें संजना के साथ फातिमा सना शेख, दीया मिर्जा और रत्ना पाठक 4 बाइकर के किरदार में नजर आई हैं।

संजना ने बताया कि फिल्म की रिलीज से एक हफ्ते पहले तक इसका प्रचार न कर पाने की उन्हें काफी चिंता थी, लेकिन उन्होंने इंडस्ट्री के लिए स्क्रीनिंग का आयोजन किया।शबाना आजमी, विद्या बालन, अली फजल, नसीरुद्दीन शाह सहित कई सितारों ने उनकी फिल्म देखी, जिनकी राय उनके लिए बहुत मायने रखती थी।अभिनेत्री कहती हैं कि इसके अलावा समीक्षा और दर्शकों की राय से भी उन्हें कोई शिकायत नहीं है।

इस दौरान जब संजना से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज करना चाहिए था और इसका प्रचार भी ऐसा होना था तो उन्होंने हामी भरी।संजना कहती हैं कि धक-धक जैसी फिल्म बनाने के लिए मेहनत लगती है। इस दौरान संजना ने फिल्म के लिए बाइक चलाने का अपना अनुभव भी साझा किया, जिसके लिए उन्होंने काफी तैयारी की थी।उन्होंने कहा, बाइक चलाने मेरे लिए एकदम नया था, जिसे मुझे सीखना था। फिल्म में सभी सीन को हमने खुद ही शूट किया था।अभिनेत्री कहती हैं कि शूटिंग के दौरान हिमालय पर 250 किलो वजनी रॉयल एनफील्ड की सवारी करना कोई मजाक नहीं है। इसके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, लेकिन यह सब शानदार था। धक धक का निर्माण वायकॉम 18 और तापसी पन्नू की आउटसाइडर्स फिल्म्स से सहयोग से हुआ है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी तो यह एक हफ्ते में 80 लाख रुपये ही कमा पाई और सिनेमाघरों से इसका पत्ता साफ हो गया। धक धक का ट्रेलर फिल्म की रिलीज से 3 दिन पहले ही रिलीज हुआ। ऐसे में लोगों का इसकी रिलीज को लेकर भ्रमित होना लाजमी थी, जिसके बारे में संजना जानती थीं।संजना बताती हैं कि इसका निर्णय सितारे नहीं बल्कि मार्केटिंग वाले लेते हैं, लेकिन वह इस बात से खुश हैं कि उनकी फिल्म की स्क्रीन की संख्या को दोगुना और शहरों की संख्या को तीन गुना किया गया। अच्छा कंटेंट लोगों को पसंद आया।

रक्षित शेट्टी की सप्त सागरदाचे एलो- साइड बी 17 नवंबर को होगी रिलीज

कन्नड़ फिल्म सप्त सागरदाचे एलो के पहले पार्ट की भारी सफलता के बाद, जिसका टाइटल सप्त सागरदाचे एलो-साइड ए है, एक्टर रक्षित शेट्टी ने साइड-बी की रिलीज की तारीख की घोषणा की है। सूत्रों की मानें तो साइड-बी 17 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगा।

रक्षित शेट्टी ने एक्स पर लिखा, क्या भाग्य की दिशा में बदलाव आएगा? सप्त सागरदाचे एलो - साइड बी 17 नवंबर को कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज होगी।

रोमांस ड्रामा-थ्रिलर फिल्म सप्त सागरदाचे एलो-साइड ए मनु नाम के एक ड्राइवर की कहानी है, जो चाहता है कि उसकी गर्लफ्रेंड प्रिया उसके साथ चले। खुशहाल कपल की जिंदगी में तब तूफान आता है, जब मनु को उस अपराध के लिए जेल जाना पड़ता है जो उसने किया ही नहीं है।

ये परिस्थितियां उनके रिश्ते में दरार डालने लगती हैं। एक तरफ मनु अपने सपनों को फिर से प्रिया संग संजोना शुरू करता है, लेकिन प्रिया जीवन जीने के लिए सुरक्षित हमसफर की तलाश में होती है। प्रेम, त्याग, भावनात्मक उथल-पुथल की कहानी पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से अपार प्रशंसा मिली और एक कठिन मोड़ पर समाप्त होने के बाद, दूसरे भाग यानी साइड बी का उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा था।

साइड बी की रिलीजिंग डेट अक्टूबर महीने की थी, लेकिन प्रोडक्शन समस्या के चलते निर्माताओं को इसके रिलीज की तारीख को 17 नवंबर तक बढ़ानी पड़ी।

हेमंत एम. राव द्वारा निर्देशित और सह-लिखित, सप्त सागरदाचे एलो-साइड बी में रक्षित शेट्टी, रुक्मिणी वसंत और चैत्रा जे. आचार मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, इसमें अच्युत कुमार, पवित्र लोकेश, अविनाश और शरथ लोहितस्वा भी महत्वपूर्ण सहायक भूमिकाओं में होंगे। (आरएनएस)

चंद्रयान-तीन और उड़ने वाले रथ की कहानियां!

अजीत द्विवेदी

चंद्रयान-तीन का चंद्रमा पर और खासतौर से उसके दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतरना निस्संदेह भारत के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में यह उपलब्धि मील का पत्थर है। इसलिए निश्चित रूप से भारत के लोगों को इसके बारे में बताया जाना चाहिए और छात्रों को स्कूलों में इसके बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। तभी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए चंद्रयान-तीन के बारे में विशेष रीडिंग मॉड्यूल तैयार करने की बात कही तो इसका चौतरफा स्वागत हुआ। एनसीईआरटी ने यह विशेष पाठ्य सामग्री तैयार कर दी है, जिसे 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी किया। अंग्रेजी के अखबार 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पाठ्य सामग्री को लेकर विवाद शुरू हो गया है क्योंकि इसमें विज्ञान के साथ साथ मिथक कथाओं का घालमेल कर दिया गया है और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो के वैज्ञानिकों की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिमामंडन ज्यादा किया गया है।

प्रधानमंत्री का महिमामंडन एक बात है लेकिन विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोडऩे से बच्चों को बड़ा शैक्षणिक नुकसान हो सकता है। अगर सरकार स्कूली बच्चों को स्वतंत्र विषय के तौर पर मिथक कथाओं के बारे में पढ़ाना चाहती है तो वह बिल्कुल अलग बात है। वैदिक गणित से लेकर ज्योतिष और कर्मकांड आदि की शिक्षा के लिए अलग पाठ्यक्रम बनाए गए हैं और बड़े संस्थानों में भी अब उनकी पढ़ाई शुरू हो गई है। लेकिन विशुद्ध विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोडऩे का बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे बच्चों में वैज्ञानिक चेतना की बजाय अवैज्ञानिकता और अंधविश्वास बढऩे का खतरा पैदा होगा। प्राचीन भारत में गर्व करने के लायक बहुत सी चीजें हैं उनके बारे में लोगों को बताया जाना चाहिए और उन पर गर्व भी किया जाना चाहिए लेकिन विज्ञान की किताब में यह बताने से कि प्राचीन काल में देवताओं के रथ उड़ते थे, बच्चों का भला नहीं होगा, उलटे उनका बड़ा नुकसान हो जाएगा।

'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक एनसीईआरटी के विशेष रीडिंग मॉड्यूल की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी का संदर्भ दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इसमें चंद्रयान-तीन की सफल लैडिंग के बारे में कहा है, 'क्या यह वैज्ञानिक उपलब्धि पहली बार अभी हासिल की गई है? क्या अतीत में ऐसा कभी नहीं हुआ? क्या अतीत में लोगों ने इसके बारे में नहीं सोचा था'? इसके बाद खुद ही जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कहते हैं, 'वैमानिक शास्त्र- विमानों के विज्ञान में कहा गया है कि उडऩे वाले वाहनों के बारे में देश को पहले से पता था।' रीडिंग मॉड्यूल में आगे कहा गया है, 'भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ वेदों में कहा गया है कि कई देवताओं के पास पहियों वाले रथ थे, जिन्हें कोई न कोई पशु, ज्यादातर मामलों में घोड़े खींचते थे और ये रथ उड़ भी सकते थे'।

बहरहाल, अगर चंद्रयान-तीन की उपलब्धि के बारे में बताते हुए बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा कि अत्यंत प्राचीन काल में भारत के पास विमान की तकनीक थी और देवताओं के रथ उड़ते थे तो यह क्यों नहीं बताया जाए कि पहले तो चंद्रमा पर जाने की जरूरत ही नहीं थी क्योंकि चंद्रमा तो धरती पर आते रहते थे? प्राचीन हिंदू ग्रंथों में चंद्रमा से जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, जिनमें एक कहानी इंद्र, चंद्रमा, अहिल्या और महर्षि गौतम से जुड़ी है। इस कहानी के मुताबिक ब्रह्मा जी ने अहिल्या की शादी के लिए स्वंयवर का आयोजन किया था, जिसमें महर्षि गौतम को अहिल्या ने वर चुना था लेकिन इंद्र उनकी सुंदरता पर मोहित थे। एक दिन इच्छा के वशीभूत इंद्र धरती पर अहिल्या से मिलने आए और अपने साथ चंद्र देव को भी लेते आए। दोनों ने मिल कर महर्षि गौतम को अहिल्या से दूर ले जाने की योजना बनाई। इस योजना के तहत चंद्रमा ने आधी रात को मुर्गे की आवाज में बांग दी, जिसे सुन कर गौतम गंगा स्नान के लिए चले गए और तब इंद्र उनका वेश बना कर घर के अंदर चले गए। दूसरी ओर जब गौतम गंगा तट पर पहुंचे तो उन्हें कुछ संदेह हुआ और इस बीच गंगा ने उनको बता दिया यह इंद्र का जाल है। गुस्से में महर्षि गौतम घर लौटे तो उन्होंने चंद्रमा को बाहर बैठे देखा और उनको श्राप दिया कि उन पर राहु की कुदृष्टि हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने अपना कमंडल भी चंद्रमा पर फेंक कर मारा था, जिसकी वजह से उन दाग लगा हुआ है। कहानी के मुताबिक उन्होंने अहिल्या को भी श्राप दिया था, जिस श्राप से अहिल्या को भगवान राम ने मुक्ति दिलाई। सोचें, क्या चंद्रमा के बारे में पढ़ाते हुए विज्ञान की कक्षाओं में बच्चों को यह कहानी बताई जा सकती है? अगर नहीं तो फिर देवताओं के रथ उडऩे की कहानी बताने का क्या मतलब है? दूसरा सवाल है कि धर्मग्रंथों में वर्णित कथाओं से वैज्ञानिक उपलब्धियों की तुलना करने से क्या हासिल होता है? क्या इससे हिंदुओं के देवताओं और वैज्ञानिकों दोनों की प्रतिष्ठा कम नहीं होती है? नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के थोड़े दिन के बाद ही मुंबई में रिलायंस के एक अस्पताल का उद्घाटन करने गए थे, जहां उन्होंने डॉक्टरों के सामने बताया था कि कैसे भगवान शिव ने सर्जरी के जरिए गणेश भगवान के शरीर पर हाथी का सिर लगाया था। इसी तरह की बात यह भी है कि देवताओं के रथ उड़ते थे और इसका मतलब है कि उनको वैमानिक शास्त्र का ज्ञान था। क्या इससे देवों के देव महादेव एक सामान्य सर्जन की बराबरी में या बाकी भगवान विमान बनाने वाले इंजीनियर की बराबरी में नहीं आ गए? हम लोगों के भगवान तो चमत्कारिक हैं। महादेव तीसरी आंख खोल कर पूरी दुनिया को भस्म कर सकते हैं और उनके तांडव से तीनों लोक हिल जाते हैं तो उनको भला क्यों पार्वती पुत्र की सर्जरी की जरूरत होती? असल में देवताओं के चमत्कार की तुलना वैज्ञानिकों की उपलब्धियों से करना देवताओं का अपमान तो है ही साथ ही वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी कमतर करने वाला है।

दरअसल भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के अनेक बड़े लोगों की समस्या है कि वे प्राचीन भारत की गौरवशाली उपलब्धियों के बारे में बताते हुए हमेशा मिथक कथाओं के संसार में प्रवेश कर जाते हैं, जबकि हकीकत में प्राचीन भारत के नाम बड़ी उपलब्धियां हैं, जिन पर गर्व किया जा सकता है। शून्य के आविष्कार से लेकर शून्य का मान निकालने, दशमलव के आविष्कार से लेकर पाई का मान दशमलव के आगे चार अंक तक निकालने की उपलब्धि हमारी रही है। खगोल विज्ञान से लेकर योग और दर्शन व कामसूत्र तक की रचना भारत में हुई है। हमें इनके बारे में बात करनी चाहिए। दुनिया में कहीं भी कोई आविष्कार हो तो यह कह देना कि भारत में पहले से ऐसा था, असल में पूरे देश को हास्यास्पद बना देता है। हमारी सारी वास्तविक उपलब्धियां भी बौनी हो जाती हैं। लोग पलट कर पूछते हैं कि आपके शास्त्र में विमान बनाने की तकनीक थी तो आपने इतने बरसों तक बनाया क्यों नहीं? इसके जवाब में व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी में यह पढ़ाया जाता है कि यूरोपीय लोग जब पहली बार भारत आए तो भारत के धर्मग्रंथों में ज्ञान का खजाना देखा और उसे चुरा कर अपने यहां ले गए। वहां उन्होंने उसका अनुवाद कराया और तभी उन जाहिल लोगों के यहां पुनर्जागरण हुआ। हालांकि व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी के उस पाठ्यक्रम में यह जवाब नहीं दिया जाता है कि हम लोगों ने क्यों नहीं उस ज्ञान का इस्तेमाल करके अपना पुनर्जागरण कर लिया? क्यों आज भी हम बोइंग और एयरबस जैसी कंपनियों से लाखों करोड़ रुपए के विमान खरीदते हैं, जबकि हम तो वैमानिक शास्त्र पढ़ कर चुटकियों में विमान बना सकते हैं?

बहरहाल, आज सबसे बड़ी जरूरत युवा छात्रों में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करने की है। उनमें विज्ञान के विषयों के प्रति रूचि पैदा करने की है ताकि समय के साथ भारत जो विज्ञान के क्षेत्र में पिछड़ता चला गया है उसे दुनिया के साथ कदमताल करने के लायक बनाया जाए। अभी अगर चंद्रयान के बारे में वैज्ञानिक ढंग से पढ़ाने की बजाय देवताओं के रथ उडऩे या चंद्र ग्रहण का मतलब राहु द्वारा चंद्रमा को ग्रसित करना पढ़ाया जाएगा तो उसका आने वाली पीढि?ों को बड़ा नुकसान भुगतना होगा। अपनी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत पर और प्राचीन भारत की उपलब्धियों पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए लेकिन प्राचीन भारत की उपलब्धियों के तौर पर धर्मग्रंथों या मिथक कथाओं की बातें पढ़ाना नुकसानदेह हो जाएगा।

सू- दोकू क्र.076

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.75 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

फिर बिगड़ी है हवा

मौसम बदलने के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगभग रोज बदतर होती जा रही है। गौरतलब यह है कि इस बार मुंबई में भी हवा की गुणवत्ता बिगड़ी है, जबकि वहां ऐसा आम तौर पर नहीं होता।

दिल्ली इस वर्ष कुछ-कुछ दिन के अंतर पर बारिश होने के कारण हवा की गुणवत्ता अब तक आम तौर पर बेहतर रही। तब इसका श्रेय लेने की होड़ लग गई। खासकर दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने इसे अरविंद केजरीवाल सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। लेकिन अब सूरत बदल गई है, तो इस बारे में पार्टियों ने चुप्पी साध ली है। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगभग रोज बदतर होती जा रही है। लेकिन गौरतलब यह है कि इस बार मुंबई में भी हवा की गुणवत्ता बिगड़ी है। मुंबई समुद्र के किनारे है, इसलिए वहां आम तौर पर दिल्ली जैसी वायु प्रदूषण की स्थिति नहीं होती। लेकिन इस बार वहां भी चिंता बढ़ी है। दिल्ली में तो पिछले एक सप्ताह में हवा की गुणवत्ता 'खराब' से गिरकर 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गई है। बढ़ते प्रदूषण के असर को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) का दूसरा चरण लागू कर दिया है। अगर अभी ये स्थिति पैदा हो गई है, तो दिवाली के

आसपास क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक दिल्ली में खराब हवा से फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं है। तापमान में गिरावट के साथ दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर लगातार सामान्य से ज्यादा बन गया है। दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एक अध्ययन के मुताबिक प्रदूषण बढऩे के कारण सांस उखडऩे के मामले बढ़ रहे हैं। एम्स ने वायु प्रदूषण का मरीजों पर पडऩे वाले असर को लेकर अपने एक अध्ययन में कहा कि प्रदूषण के कारण लोगों में सांस और खांसी की परेशानी बढ़ रही है। अध्ययन में पता चला कि हवा में नाइट्रस ऑक्साइड का स्तर वातावरण में औसतन मानक से एक अंक बढ़ गया। नतीजा यह हुआ है कि इमरजेंसी में सांस लेने की दिक्कत वाले मरीज 53 फीसदी बढ़ गए। ऐसा ही असर पार्टिकुलेट मैटर 2.5 का स्तर बढऩे का हुआ है। स्पष्टत- दिल्ली में प्रदूषण की बुनियादी वजहें दूर नहीं हुई हैं। मौसम परिवर्तन के साथ स्थिति बिगड़ रही है।(आरएनएस)

आर्या में ऐसी ताकत है जो बवंडर का मुकाबला कर सकती है - सुष्मिता सेन

क्राइम थ्रिलर आर्या 3 में एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन का किरदार आर्या सरीन एक बेहतरीन पावरहाउस हैं, जिसमें ऐसी ताकत है जो बवंडर का मुकाबला कर सकती है।

सुष्मिता ने कहा, पहले सीजन से ही वह शो चलाने वाली सिंगल मदर हैं।

सुष्मिता ने कहा, मेरा किरदार आर्या बहुत मजबूत है। उसमें दर्द सहने की क्षमता है। वह काफी हद तक शांत है। जब तक जरूरी न हो, वह रिएक्ट करना नहीं बल्कि रिस्पॉन्ड देना पसंद करती है। मैं वैसे ही बनी हूं, लेकिन उसने मुझसे ज्यादा विश्वासघात देखा है, इसके लिए भगवान का शुक्र है, मैंने अपनी लाइफ में अच्छे लोग देखे हैं।

दूरदर्शी राम माधवानी द्वारा निर्मित और सह-निर्देशित और अमिता माधवनी, राम माधवानी, राम माधवानी फिल्म्स और एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा सह-निर्मित, आर्या 3 3 नवंबर से डिज्नी पल्स हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुष्मिता वेब सीरीज ताली में भी नजर आई थीं। यह शो सुष्मिता द्वारा अभिनीत ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता श्रीगौरी सावंत की प्रेरक यात्रा को जीवंत करता है।

उप जिला चिकित्सालय खिलवाड़ कर रहा मरीजों की जान से:मोर्चा

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा पिन्नी ने कहा कि उप जिला चिकित्सालय, विकास नगर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की

लापरवाही की वजह से रात्रि कालीन समय में इमरजेंसी के वक्त गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज को इलाज नहीं मिल पाता है। ऐसे वक्त में जब मरीज के लिए एक-एक सेकंड भारी होता है, ड्यूटी में तैनात चिकित्सक का अपने घर में आराम फरमाना बहुत ही कष्टकारी होता है। इस दौरान मरीज का इलाज कर्मचारियों के हाथों होता है।

शर्मा ने कहा कि हालात यह हैं कि इमरजेंसी हेतु रात्रि कालीन समय में तैनात चिकित्सक एक-एक घंटे तक बिस्तर छोड़ने को तैयार नहीं होते, जिस कारण मरीजों की जान पर बन आती है तथा परिजन मरीज को अन्यत्र इलाज हेतु ले जाने को मजबूर हैं, लेकिन इन सभी बातों से बेखबर सीएमएस को कोई चिंता नहीं है। इसके अतिरिक्त चिकित्सालय में सफाई के नाम पर सिर्फ गंदगी का साम्राज्य हो रखा है। उन्होने कहा कि अगर सीएमएस ने व्यवस्थाएं नहीं सुधारी तो मोर्चा शीघ्र ही इन समस्याओं का इलाज करेगा।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने मधुबन एन्क्लेव के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शुभदीप सिंह खरबंदा पुत्र प्रिंस खरबंदा निवासी एकता विहार रायपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने भरत विंहार के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख स्कूटी को तेजी से भगा ले गया।

पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी की डिग्गी से 44 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम प्रदीप कुमार पुत्र सुरेश चंद्र निवासी गायत्री विला विस्थापित कालोनी बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने योग नगरी गेट के पास से एक युवक को 40 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित जयसवाल पुत्र सुरेश जयसवाल निवासी सर्वहारा नगर काले की ढाल बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

शोरुम में हुई लाखों की चोरी का खुलासा.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त किराये की कार, लाखों की नगदी, शोरूम से चोरी की गयी तिजोरी व अन्य सामान बरामद किया गया है।

आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम राहुल मोहिते पुत्र कमल मोहिते व करन चौहान पुत्र सीताराम निवासी मरीमाता मोरोद थाना तेजाजीनगर, इन्दौर मध्यप्रदेश बताया। बताया कि उनके द्वारा प्राईवेट कार को प्रतिदिन 3000 की दर से किराये में लिया गया तथा उससे 14 अक्टूबर को हल्द्वानी पहुंचकर शोरूमों की रैकी गयी। जिसके बाद मौका पाकर रामपुर रोड स्थित महिन्द्रा के शोरूम में रात के समय घुसकर वहां रखी तिजोरी उठाकर गाडी में डालकर ले गये व बेलबाबा से आगे टांडा जंगल पर उनके द्वारा तिजोरी को लोहे के घन से तोडा गया और उसमें रखी लाखों की नगदी लेकर फरार हो गये। जिसे पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार मामले में गिरफ्तार हुए लोगों के दो साथी जिनका नाम विजय उर्फ काना व शिवा चौहान फरार है जिनकी तलाश जारी है।

सड़कों पर होने वाला अतिक्रमण भी है जाम का एक मुख्य कारण

हमारे संवाददाता

देहरादून। त्यौहारी सीजन में बढ़ रहा सड़को पर अतिक्रमण, जाम का मुख्य कारण बनता जा रहा है। सम्बन्धित विभागों द्वारा इस पर कोई कार्यवाही न किये जाने से जहां जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है वहीं यातायात पुलिस भी इस सबसे हैरान परेशान है।

यूं तो उत्तराखण्ड की राजधानी बनते ही देहरादून में अतिक्रमण की बाढ़ आ चुकी है। शासन-प्रशासन द्वारा इस पर कई बार कार्यवाही भी की जाती रही है लेकिन अतिक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। सड़कों पर होने वाले इस अतिक्रमण की वजह से त्यौहारी सीजन में जाम की समस्या से दो चार होना आम बात हो गया है। राजधानी की सड़कों पर होने वाली जाम की समस्या से हालांकि पुलिस के आलाधिकारी हर बार दावा करते है कि दून की सड़कों जल्द जाम की समस्या का हल कर दिया जायेगा। लेकिन हैरान करने वाली बात है कि इन दावों की कुछ दिन में ही हवा निकल जाती है।

त्यौहारी सीजन में बाजारों में बढ़ती भीड़ के चलते सड़को पर अत्यधिक दबाव की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में सड़कों पर होने वाले अतिक्रमण के कारण जाम लगना आम बात हो जाती है। हालांकि यातायात पुलिस लगातार जाम खुलवाने की कोशिशों में जुटी रहती है लेकिन अतिक्रमण के चलते वह भी बेबस नजर आते है। पुलिस व प्रशासन द्वारा अगर दून की जनता को जाम से राहत दिलानी है तो उसे सबसे पहले अतिक्रमणकारियों पर ही नकेल कसनी होगी। अन्यथा कोशिशें करने के बाद भी जाम की समस्या से निजात पाना संभव नहीं है।

शहीद त्रिलोक सिंह पांगती की 103 वीं जयंती धूमधाम से मनाई

संवाददाता

मुनस्यारी। देश की आजादी के संघर्ष में शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्रिलोक सिंह पांगती को उनकी 103 वीं जयंती पर याद किया गया।

आज यहां देश को आजाद करने के संघर्ष में शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्रिलोक सिंह पांगती को उनकी 103 वीं जयंती पर याद किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के जीवन दर्शन पर आधारित निबंध , चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में भाग लेकर अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शहिद त्रिलोक सिंह के द्वारा किए गए कार्यों को याद किया गया। शहीद त्रिलोक सिंह के नाम पर बने राजकीय इंटर कॉलेज मुनस्यारी में जयंती के मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गया। क्षेत्र की सामाजिक संस्था सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया द्वारा इस क्षेत्र के विद्यालयों में शहीद त्रिलोक सिंह पांगती के जीवन दर्शन पर आधारित निबंध, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता विभिन्न विद्यालय में आयोजित की गई थी। इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने वंदना, स्वागत गीत सहित आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय दरकोट के छात्र कृष्णा कुमार ने मुनस्यारी पर आधारित एक सुंदर गीत गाया। इन प्रतियोगिताओं में अब्बल आने वाले विद्यार्थियों को आज यहां फिर मुख्य अतिथि बनाया गया। इन विद्यार्थियों के के साथ एनडीए 2023 की टॉपर शिवराज सिंह पछाई तथा पिथौरागढ़ के पहले आईएफएस सेवा निवृत्त मुख्य वन संरक्षक डॉ भगत सिंह बरफाल द्वारा शहीद त्रिलोक सिंह के चित्र माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया।

एक से 8 नवम्बर तक नाबार्ड हस्तशिल्प मेला 2023 का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। नाबार्ड के सीजीएम विनोद कुमार बिष्ट ने बताया कि नाबार्ड ने बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण, संस्थान निर्माण और विकासात्मक पहलों के माध्यम से प्रभावशाली हस्तक्षेप के 4 दशक पूरे करने पर हस्तशिल्प मेंले का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में नाबार्ड के सीजीएम विनोद कुमार बिष्ट ने बताया कि 1 से 8 अक्टूबर तक नाबार्ड हस्तशिल्प मेले का आयोजन किया जा रहा है। आज शाम को रेस कोर्स श्री गुरु नानक स्कूल ग्राउंड में 6 बजे नाबार्ड मेले का उद्घाटन पूर्व राज्यपाल व पूर्व सी एम भगत सिंह कोश्यारी करेंगे। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण, संस्थान निर्माण और विकासात्मक पहलों के माध्यम से प्रभावशाली हस्तक्षेप के 4 दशक पूरे कर लिए हैं। नाबार्ड ने कृषि - वित्त, बुनियादी ढांचे के विकास, बैंकिंग प्रौद्योगिकी, एसएचजी और जेएलजी, एफपीओ, ओएफपीओ और अन्य के माध्यम से माइक्रोफाइनेंस और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देकर भारतीय गांवों में जीवन बदल दिया है। नाबार्ड की स्थापना के समय ही इसके मिशन स्टेटमेंट में गैर कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना शामिल था। वैकल्पिक आजीविका विकल्पों को प्रोत्साहित करके कृषि आय पर ग्रामीण भारत की निर्भरता को कम करने की तत्काल आवश्यकता के संदर्भ में, यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है। बेहतर विपणन अवसर प्रदान करने और विपणन गठजोड़ बनाने के उद्देश्य से, इस वर्ष नाबार्ड 01 नवंबर से 08 नवंबर 2023 तक श्री गुरु नानक पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज, प्ले ग्राउंड, रेसकोर्स, देहरादून में किया जा रहा है। प्रेस वार्ता में भारतीय ग्रामोत्थान संस्थान के निदेशक अनिल चंदोला भी मौजूद थे।

एक नजर

धामी ने किया साबरमती रिवर फ्रंट क्षेत्र का भ्रमण

संवाददाता

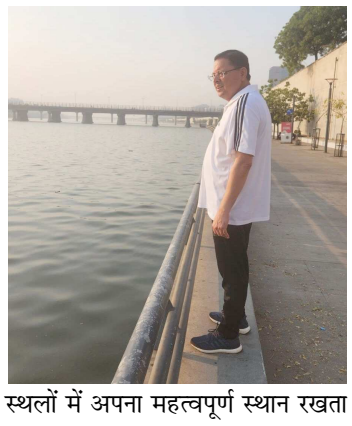

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने दो दिवसीय अहमदाबाद दौरे के दौरान मार्निंग वॉक के पर साबरमती रिवर फ्रंट का भ्रमण कर लोगों से बातचीत की। आज यहां दो दिवसीय अहमदाबाद दौरे पर प्रात: काल मॉर्निंग वॉक पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साबरमती रिवर फ्रंट क्षेत्र का भ्रमण किया। सुनियोजित रुप से विकसित किया गया यह रिवर फ्रंट गुजरात के विभिन्न पर्यटन स्थलों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। देश-विदेश से इस रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट को लगभग 20 से अधिक पुरस्कार मिले हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर गुजरात के विकास पर उनके विचार एवं अनुभव को सुना और उन्हें देवभूमि उत्तराखण्ड आने के लिए आमंत्रित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साबरमती रिवर फ्रंट को बहुआयामी रूप से विकसित कर पर्यटन केंद्र बनाने का अभूतपूर्व कार्य गुजरात प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में हुआ है। यह फ्रंट इकोलॉजी और इकॉनमी के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।

दिल्ली में धार्मिक स्थलों से 150 मीटर की दूरी पर नहीं होंगी मीट शॉप

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निकाय ने नई मीट पॉलिसी को पास किया है, इसमे कुल 54 प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। दिल्ली सरकार की नई मीट पॉलिसी का मीट व्यापारियों ने कड़ा विरोध किया है। मीट व्यापारियों ने नई मीट पॉलिसी के

खिलाफ कोर्ट जाने का फैसला लिया है। मीट ट्रेडर संगठनों की ओर से कहा गया है कि अगर इस नीति को वापस नहीं लिया जाता है तो वह इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे। नई नीति के अनुसार मीट शॉप और धार्मिक स्थल या अंतिम संस्कार स्थल के बीच न्यूनतम दूरी 150 मीटर होनी चाहिए। एमसीडी की ओर से कहा गया है कि लाइसेंस दिए जाने के बाद अगर मीट धार्मिक स्थल का निर्माण हुआ है तो वह इस दूरी पर ध्यान नही देगी। नई नीति के अनुसार मस्जिद के आस-पास मीट शॉप खुल सकती है और यहां सुअर के मीट को छोड़कर कुछ जानवरों का मीट बिक सकता है। बशर्ते के दुकानदार के पास इशके लिए मस्जिद कमेटी या इमाम की ओर से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट होना चाहिए। बता दें कि एमसीडी पर फिलहाल आम आदमी पार्टी का शासन है।

सपा विधायक शाहजील इस्लाम ने दलित ड्राइवर को पीटा !

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में समाजवादी पार्टी के विधायक शहजिल इस्लाम के खिलाफ उनके ड्राइवर धर्मेंद्र, जो दलित (एससी) समुदाय से है, के साथ मारपीट करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। हमले के पीछे कथित कारण यह है कि पीड़ित ने विधायक की कार को उनकी संतुष्टि के अनुसार साफ नहीं किया। घटना के दौरान, विधायक ने कथित तौर पर पीड़ित के खिलाफ जातिसूचक गालियों का इस्तेमाल किया और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस फिलहाल इस घटना की जांच

कर रही है, जो शनिवार, 28 अक्टूबर, 2023 को हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भोजीपुरा विधानसभा से सपा विधायक शहजिल इस्लाम 27 अक्टूबर 2023 शुक्रवार की रात ट्रेन से लखनऊ से बरेली जा रहे थे। पीड़ित ड्राइवर धर्मेंद्र और विधायक का सुरक्षाकर्मी सलीम बरेली पहुंचे थे आधी रात को रेलवे जंक्शन। ट्रेन विलंबित होने के कारण वे शनिवार की सुबह अपने गंतव्य पर पहुंचे। ट्रेन से उतरने पर शहाजिल इस्लाम ने अपनी कार की साफ-सफाई पर असंतोष जताया, जिससे ड्राइवर धर्मेंद्र के प्रति उनका गुस्सा भड़क गया। धर्मेंद्र के मुताबिक, विधायक ने उन्हें डांटते हुए कहा, गाड़ी साफ कर कुत्ते। तुम्हारे जैसे लॉन्ड्रीमैन सिर्फ कपड़े साफ करना जानते हैं, लेकिन तुम कार नहीं चला सकते। धर्मेंद्र ने एसपी विधायक द्वारा इस्तेमाल की गई अपमानजनक भाषा पर आपत्ति जताई, जिससे शहजिल इस्लाम और भी क्रोधित हो गए और उन्होंने धर्मेंद्र को थप्पड़ मार दिया। मारपीट के बाद शहजिल इस्लाम ने धमकी दी, मैं तुम्हें तुम्हारे घर से उठवा दूंगा। तुम नहीं जानते कि मैं कौन हूं।

शहर के मुख्य बाजार आतिशबाजी के लाईसेंस के लिए प्रतिबंधित: डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने कहा कि इस वर्ष भी पल्टन बाजार-कोतवाली से घण्टाघर तक, धामावाला बाजार-कोतवाली से आढतबाजार चौक तक, मोतीबाजार में पल्टन बाजार से पुरानी सब्जीमण्डी, घण्टाघर चकराता रोड पर हनुमान मन्दिर तक आतिशबाजी लाईसेंस हेतु प्रतिबन्धित रहेंगे।

आज यहां जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट परिसर में दीपावली पर्व 2023 के अवसर पर अतिशबाजी के लाईसेंस निर्गत करने के संबंध में व्यापारियों के प्रतिनिधि मण्डल और सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि लाईसेंस निर्गत करते समय सुरक्षा के दृष्टिगत मानकों का पूर्ण परिपालन करावाने तथा सम्बन्धित विभागों के अधिकारियो को सुरक्षा के दृष्टिगत अपने विभाग से सम्बन्धित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अग्निशमन अधिकारी को निर्देशित किया कि फायर सुरक्षा के दृष्टिगत बताये जाने वाली सभी जानकारी की पम्पलेट बनाकर सम्बन्धित पटलों को उपलब्ध करायेंगे तथा सम्बन्धित पटल लाईसेंस के साथ पम्पलेट भी अनिवार्य रूप से देना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आतिशबाजी लाईसेंस निर्गत किये जाने हेतु सुरक्षित स्थान चिन्हित करने तथा अग्नि सुरक्षा इत्यादि के सभी मानक का पालन करवाने के नगर मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी/परगनाधिकारी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिये। दुकानों पर फायर सुरक्षा के उपकरण एवं सामग्री हो तथा, जहां पर दुकान हेतु लाईसेंस आंवटित किया जा रहा है वह तंग स्थान ना हो, विद्युत तारों के बीच ना हों, पटाखों की बिक्री के अलावा अन्य सामग्री की बिक्री ना की जाय तथा दुकान पर अग्निशमन के समुचित प्रबन्ध हों। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पल्टन बाजार-कोतवाली से घण्टाघर तक, धामावाला बाजार-कोतवाली से आढतबाजार चौक तक, मोतीबाजार में पल्टन बाजार से पुरानी सब्जीमण्डी, (हनुमान चौक तक), हनुमान चौक -झण्डा मौहल्ला, रामलीला बाजार-बैण्ड बाजार तक, आनन्द चौक से लक्ष्मण चौक तक, डिस्पेंसरी रोड का सम्पूर्ण क्षेत्र, घण्टाघर चकराता रोड पर हनुमान मन्दिर तक, सर्वे चौक से डीएवी पीजी कालेज देहरादून जाने वाली रोड़, करनपुर मुख्य बाजार (भीड़भाड़ वाला क्षेत्र), के अलावा ऐसे स्थान जो संकीर्ण क्षेत्र/गलियां जहां अग्निशमन वाहन का वाटर टैंक न पंहुच सकता हो आतिशबाजी लाईसेंस हेतु प्रतिबन्धित रहेंगे।

भूसे से भरे कट्टों में कर रहे थे शराब तस्करी, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। पुलिस की नजरों से बचाकर भूसे से भरे कट्टो में शराब तस्करी करने वाले तीन शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से तीन कट्टी में रखी 48 बोतल शराब भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना गुप्तकाशी पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वाहन दिखायी दिया जिसमें तीन लोग बैठे हुए थे। पुलिस ने जब उसे रोककर तलाशी ली तो उसमें भूसे से भरे तीन प्लास्टिक के कट्टे दिखायी दिये। जिन्हे खोल कर देखा गया तो सब कट्टो में 16-16 बोतल शराब बरामद हुई। जिस पर उन्हे थाना लाया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम विपिन पुत्र बलवीर सिंह निवासी विजयनगर मेहरगढ़ थाना अगस्त्यमुनि रुद्रप्रयाग, शशांक पुत्र दिनेश निवासी नाकोट थाना अगस्त्यमुनि जनपद रुद्रप्रयाग व नवदीप उर्फ लक्की पुत्र गुलाब सिंह निवासी जवाहरनगर थाना अगस्त्यमुनि जनपद रुद्रप्रयाग बताया। पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

खाई में गिरी कार, चालक की मौत

हमारे संवाददाता

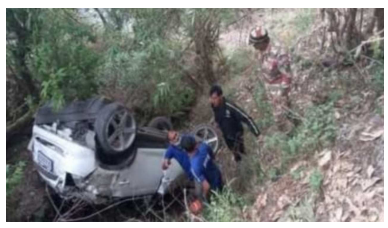

अल्मोड़ा। सड़क दुर्घटना में देर रात एक कार के खाई में गिर जाने से चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार देर रात मजखाली से आगे अल्मोड़ा रोड पर एक ऑल्टो कार खाई में गिर गई। सूचना मिलने कर पुलिस जब घटना स्थल पर पहुंची तो देखा कि ऑल्टो कार सड़क से लगभग 40-50 मीटर नीचे गहरी खाई में गिरी हुई थी। बताया जा रहा है की यह घटना रात लगभग 9.30 बजे की है जिसमें चालक कैलाश सिंह (56) पुत्र नारायण सिंह सवार था। बताया जा रहा है कि वाहन चालक वाहन को बैक कर रहा था। इस समय संतुलन बिगड़ जाने से वाहन खाई में गिर गया था। जिसमें चालक कैलाश सिंह घायल हो गए। पुलिस द्वारा वाहन चालक को खाई से निकाल कर उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय रानीखेत भेज दिया गया। चिकित्सालय में डाक्टरों द्वारा चालक को मृत घोषित कर दिया गया है।

एसएसपी ने दिया लूट की घटनाओं के खुलासे के लिए 24 घंटे का अल्टिमेटम

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी अजय सिंह ने डालनवाला व पटेलनगर में हुई लूट की घटनाओं के खुलासे के लिए दोनों कोतवालों को 24 घंटे का अल्टिमेटम दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि 28 अक्टूबर को कोतवाली नगर क्षेत्र में तिलक रोड पर हुई मोबाइल लूट की घटना का पुलिस द्वारा 48 घंटे के अंदर अनावरण करते हुए का 01 आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। 31 अक्टूबर को थाना पटेल नगर क्षेत्र में उत्तरकाशी निवासी एक व्यक्ति को स्कूटी द्वारा 02 युवकों द्वारा कमरे में ले जाकर उसके साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया था, इसके अतिरिक्त डालनवाला क्षेत्र में 30 अक्टूबर को तिब्बती बाजार तथा 31 अक्टूबर को बन्नू चौक के पास 02 अलग अलग घटनाओं में स्कूटी सवार युवकों द्वारा 02 अलग अलग युवतियों से मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। उक्त तीनों घटनाओं के अनावरण हेतु उनके द्वारा स्पेशल टीम का गठन करते हुए दोनों थाना प्रभारी को 24 घंटे का अल्टीमेट दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।